देहरादून जागरण www.jagran.com

इंजीनियरिंग के विशेष छात्रों को ब्रेल में उपलब्ध होंगी किताबें

अशोक केडियाल • देहरादून

इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट कालेजों के विशेष छात्रों को पढ़ाई में दिक्कत न हो, इसके लिए इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश लेने वाले विशेष छात्र-छात्राओं के लिए किताबें ब्रेल लिपि, आडियो और डिजिटल माध्यम में उपलब्ध कराने की तैयारी है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने सभी तकनीकी कालेजों को ऐसे छात्रों के लिए ब्रेल लिपि, डिजिटल, आडियो और बड़े-बड़े अक्षरों में किताब तैयार करने का निर्देश दिया है। तकनीकी कालेजों को इसकी रिपोर्ट एआइसीटीई को भी देनी होगी। उत्तराखंड में वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) से 80 राजकीय, सहायता प्राप्त व स्ववित्त पोषित कालेज संबद्ध हैं, जिनमें इंजीनियरिंग और प्रबंधन की पढ़ाई होती है।

इन संस्थान में विशेष छात्रों को एआइसीटीई के निर्णय से लाभ मिलेगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के मुताबिक, देश के समस्त तकनीकी कालेजों में पढ़ने वाले सभी दृष्टिबाधित छात्रों को भी आम छात्रों की तर्ज पर पाठ्यसामग्री मिलना जरूरी है।

इसलिए सभी तकनीकी कालेजों से कहा है कि वे ऐसे छात्रों के लिए किताबें मुहैया करवाएं। पाठ्यक्रम के तहत बाजार में यदि पहले से ब्रेल लिपि, आडियो किताबें, बड़े अक्षरों में प्रिंट किताबें और डिजिटल मोड में जो भी पाठ्य सामग्री उपलब्ध हो, तो तकनीकी संस्थान उन्हें खरीदकर दृष्टिबाधित छात्रों को दे सकते हैं। इसके अलावा शिक्षकों को भी ऐसे विशेष छात्रों की पढ़ाई में मदद के लिए प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यूटीयू ने सभी संबद्ध संस्थानों को दिए हैं निर्देश: वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने एआइसीटीई के आदेश की पुष्टि की। कहा कि इस योजना से विशेष छात्रों को प्रोत्साहन मिलेगा। विश्वविद्यालय कैंपस और अन्य संबद्ध संस्थान में किताबें ब्रेल लिपि, आडियो और डिजिटल माध्यम में संस्थान में रखने के आदेश दिए गए हैं।

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए किताबें मुफ्त उपलब्ध कराने को भी कहा गया है। एआइसीटीई का यह नियम विशेष छात्रों को सामान्य छात्रों के समकक्ष तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए है।

एनआइईपीवीडी सहयोग को तैयार

देहरादून के राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआइईपीवीडी) के कार्यकारी निदेशक मनीष वर्मा के अनुसार, उनके संस्थान में विशेष छात्रों के लिए ब्रेल लिपि, आडियो किताबें, बड़े अक्षरों में प्रिंट किताबें और डिजिटल मोड में काफी पाठ्यसामग्री उपलब्ध है। इस संदर्भ में यदि यूटीयू उनके संस्थान से कोई सहयोग लेना चाहेगा तो वह देने को तैयार है।

यूटीयू और एनआइईपीवीडी गांवों में लगाएं जागरूकता शिविर

शिक्षाविद व यूटीयू के पूर्व कुलपति डा. पीपी ध्यानी ने कहा कि इस प्रकार की पहल का उन अभिभावकों को भी लाभ उठाना चाहिए, जिनके बच्चे जन्म से ही दृष्टि दिव्यांग हैं। आज भी कई ग्रामीण जानकारी के अभाव में अपने बच्चों को तकनीकि संस्थान में भेजने में हिचकते हैं। इसलिए यूटीयू व एनआइईपीवीडी को गांवों में जागरुकता शिविर लगाने चाहिए।